ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शनिवार 20 जुलाई 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 140

बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ हिंसा में 105 मौतें:पूरे देश में कर्फ्यू, सेना ने मोर्चा संभाला; 978 भारतीय स्टूडेंट्स को वापस लाया गया

24 न्यूज अपडेट

ढाका. बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण बहाली के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ हिंसा जारी है। इस पर काबू पाने के लिए सरकार ने पूरे देश में कर्फ्यू लगा दिया है। प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के जनरल सेक्रेटरी ओबैदुल कादर ने शुक्रवार (19 जुलाई) देर रात कर्फ्यू लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हिंसा काबू करने के लिए सेना को तैनात किया गया है।

शुक्रवार को पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इसमें अब तक कुल 105 लोग मारे गए हैं। बांग्लादेश में बढ़ते तनाव के बीच अब तक 978 भारतीय स्टूडेंट्स अपने घर लौट आए हैं। ढाका यूनिवर्सिटी को अगले आदेश तक के लिए बंद दिया है। छात्रों को बुधवार तक हॉस्टल खाली करने को कहा गया है।

न्यूज एजेंसी AFP की रिपोर्ट के मुताबिक प्रदर्शनकारी छात्रों ने शुक्रवार को नरसिंगडी जिले में एक जेल पर धावा बोल दिया था। उन्होंने सैकड़ों कैदियों को जेल से छुड़ाने के बाद वहां आग लगा दी थी।

इससे पहले गुरुवार को सैकड़ों प्रदर्शनकारी BTV ऑफिस के कैंपस में घुस आए और 60 से ज्यादा गाड़ियां फूंक दी। उसी दिन प्रधानमंत्री शेख हसीना ने BTV को इंटरव्यू दिया था। बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर प्रदर्शन की वजह

बांग्लादेश 1971 में आजाद हुआ था। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक इसी साल से वहां पर 80 फीसदी कोटा सिस्टम लागू हुआ। इसमें स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों को नौकरी में 30%, पिछड़े जिलों के लिए 40%, महिलाओं के लिए 10% आरक्षण दिया गया। सामान्य छात्रों के लिए सिर्फ 20% सीटें रखी गईं।

1976 में पिछड़े जिलों के लिए आरक्षण को 20% कर दिया गया। इससे सामान्य छात्रों को 40% सीटें हो गईं। 1985 में पिछड़े जिलों का आरक्षण और घटा कर 10% कर दिया गया और अल्पसंख्यकों के लिए 5% कोटा जोड़ा गया। इससे सामान्य छात्रों के लिए 45% सीटें हो गईं।

शुरू में स्वतंत्रता सेनानियों के बेटे-बेटियों को ही आरक्षण मिलता था लेकिन 2009 से इसमें पोते-पोतियों को भी जोड़ दिया गया। 2012 विकलांग छात्रों के लिए भी 1% कोटा जोड़ दिया गया। इससे कुल कोटा 56% हो गया।

6 साल पहले सरकार ने कोटा सिस्टम बंद किया था

साल 2018 में 4 महीने तक छात्रों के प्रदर्शन के बाद हसीना सरकार ने कोटा सिस्टम खत्म कर दिया था, लेकिन बीते महीने 5 जून को सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को फिर से आरक्षण देने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि 2018 से पहले जैसे आरक्षण मिलता था, उसे फिर से उसी तरह लागू किया जाए।

शेख हसीना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ अपील भी की मगर सुप्रीम कोर्ट ने अपना पुराना फैसला बरकरार रखा। इससे छात्र नाराज हो गए। अब इसी के खिलाफ पूरे देश में प्रदर्शन हो रहा है।

हिंसा में अब तक 105 लोगों की मौत

अस्पतालों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस हफ्ते छात्र प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पों में अब तक कम से कम 105 लोग मारे गए हैं। 2,500 से ज्यादा घायल हुए हैं। इंडिपेंडेंट टेलीविजन ने सिर्फ शुक्रवार को 17 लोगों की मौत की जानकारी दी। सोमोय टीवी ने 30 लोगों की मौत का दावा किया।

एक एसोसिएटेड प्रेस रिपोर्टर ने ढाका मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 23 शव देखे। इससे पहले गुरुवार (18 जुलाई) को 22 लोगों की मौत की खबर आई थी।

778 भारतीय स्टूडेंट्स अपने घर लौटे

बांग्लादेश से अब तक 778 भारतीय स्टूडेंट्स लौट आए हैं। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने शुक्रवार को बताया कि भारतीय स्टूडेंट्स को डॉकी इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट के जरिए बांग्लादेश से निकाला गया है। उनमें से लगभग 80 मेघालय से हैं और बाकी अन्य राज्यों से हैं। नेपाल, भूटान के कुछ छात्रों और पर्यटकों को भी निकाला गया है।

दावा-कोरोना में सरकारी आंकड़ों से 8 गुना ज्यादा मौतें हुईं:भारत में 2020 में 12 लाख लोगों ने दम तोड़ा; मुस्लिमों पर सबसे ज्यादा असर

24 न्यूज अपडेट

भारत में कोरोना महामारी के पहले फेज में 12 लाख लोगों की जान गई थी। ये दावा कतर के मीडिया हाउस अलजजीरा ने 10 बड़े डेमोग्राफर्स (जनसंख्या की स्टडी करने वाले) और इकोनॉमिस्ट की रिपोर्ट के हवाले से किया है। बताया है कि 2020 में भारत में कोरोना के कारण हुई मौतें सरकारी आंकड़ों से 8 गुना ज्यादा थीं।

भारत सरकार के मुताबिक, 2020 में कोरोना से करीब 1 लाख 48 हजार लोगों की मौत हुई थीं। जबकि नई रिपोर्ट के मुताबिक असल संख्या 12 लाख थी। ये आंकड़ा साइंस एडवांस पब्लिकेशन ने 19 जुलाई की रिपोर्ट में छापा है, जिसे भारत सरकार के 2019-21 के नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (NFHS) के आधार पर तैयार किया गया है।

रिपोर्ट में दिए आंकड़े WHO के आंकड़ों से भी डेढ़ गुना ज्यादा हैं। रिसर्च के मुताबिक, 2020 में उच्च-जाति के हिंदुओं की औसत जीवन दर में 1.3 साल की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, अनुसूचित जाति के लोगों की औसत जीवन दर में 2.7 साल की गिरावट आई। इसके अलावा भारत के मुस्लिम नागरिकों की जीवन दर पहले की तुलना में 5.4 साल घट गई।

पुरुषों से ज्यादा महिलाओं पर असर

कोरोना का असर पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में देखा गया। रिपोर्ट में बताया गया है कि एक तरफ पुरुषों की औसत जीवन दर 2.1 साल जबकि महिलाओं की 3 साल कम हुई। पूरी दुनिया के आंकड़े देखें तो पुरुषों की जीवन दर में महिलाओं की तुलना में ज्यादा गिरावट आई है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 2020 में कोरोना के पहले फेज और 2021 में डेल्टा वेव के साथ आए दूसरे फेज के बाद देश में महामारी की वजह से 4.81 लाख लोगों की मौत हुई। WHO ने अपनी रिपोर्ट में इन आंकड़ों को गलत बताते हुए दावा किया कि भारत में असल में 20-65 लाख लोगों की मौत हुई थी, जो पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा थी।

सरकार ने WHO के डेटा को खारिज किया

केंद्र सरकार ने इन आंकड़ों को खारिज कर दिया था। सरकार ने कहा था कि डेटा हासिल करने का UN का मॉडल गलत है और यह भारत पर सही तरह से लागू नहीं हो सकता। खास बात यह है कि ये आंकड़े सिर्फ WHO के नहीं हैं। कई पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट्स और रिसर्चर्स ने भी लगातार भारत सरकार के डेटा को गलत बताया है। सेंटर फॉर ग्लोबल हेल्थ रिसर्च के डायरेक्टर प्रभात झा ने भी WHO के आंकड़ों को सही ठहराया। उन्होंने कहा, "हमने जो डेटा हासिल किया था, उसके मुताबिक भारत में कोविड-19 की वजह से करीब 40 लाख लोगों की मौत हुई थी। इनमें से 30 लाख की मौत डेल्टा वेव की वजह से हुई।"

नई रिपोर्ट पर भारत सरकार की अब तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। हालांकि इसके बाद सरकार के आंकड़ों पर कई सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

NEET में गोधरा के जयजलराम सेंटर से कोई टॉपर नहीं

CBI ने चेयरमैन को गिरफ्तार किया है; NTA ने SC में माना है यहां गड़बड़ी हुई

24 न्यूज अपडेट

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी NTA ने आज 20 जुलाई को NEET UG एग्जाम का सिटी और सेंटरवाइज रिजल्ट जारी कर दिया। रिजल्ट ऑफिशियल वेबसाइट nta.ac.in पर रिलीज हुआ है। इसमें कैंडिडेट्स की पहचान जाहिर नहीं की गई है।

गोधरा के विवादित सेंटर से कोई टॉपर नहीं

जारी रिजल्ट में गुजरात के गोधरा के जय जलराम स्कूल से कोई टॉपर नहीं बना है। बता दें कि पेपर लीक मामले में इसी स्कूल के चेयरमैन को CBI ने 30 जून को गिरफ्तार किया गया है। NTA ने भी सुप्रीम कोर्ट में गोधरा और पटना के एग्जाम सेंटर्स पर गड़बड़ी की बात मानी है। इस सेंटर पर केवल 2 स्टूडेंट ने 600 नंबर स्कोर किए हैं। इसके अलावा किसी भी कैंडिडेट को 600 से ज्यादा नंबर नहीं मिले हैं।

झारखंड के हजारीबाग सेंटर्स से भी कोई टॉपर नहीं

पेपर लीक की जांच में झारखंड के हजारीबाग से भी CBI ने राजकुमार उर्फ राजू को 16 जुलाई को गिरफ्तार किया है। सेंटरवाइज रिजल्ट के अनुसार, परीक्षा हजारीबाग के 5 एग्जम सेंटर्स पर हुई है जिसमें किसी भी सेंटर पर टॉपर नहीं बने हैं। यहां भी गड़बड़ी की बात सुप्रीम कोर्ट ने मानी है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दोबारा जारी किया रिजल्ट

18 जुलाई को NEET विवाद पर CJI की बेंच के सामने हुई तीसरी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हुई थी। कोर्ट ने NTA को निर्देश दिया था कि सभी कैंडिडेट्स के रिजल्ट शनिवार दोपहर 12 बजे तक वेबसाइट पर अपलोड किए जाएं। कोर्ट ने कहा था- रिजल्ट अपलोड करते वक्त उम्मीदवार की पहचान जाहिर ना की जाए। हम सोमवार 22 जुलाई को सुबह 10.30 बजे अगली सुनवाई शुरू करेंगे। ताकि दोपहर तक हम निष्कर्ष निकाल सकें। हम बिहार पुलिस रिपोर्ट की एक कॉपी भी चाहते हैं।

संपादकीय : असुविधा की तकनीक

तकनीकी संसाधनों पर निर्भरता बढ़ते जाने से व्यवसाय-वाणिज्य, निजी और दफ्तरी कामकाज में तेजी तो आई है, मगर इसमें एक खराबी किस कदर दुनिया की सारी रफ्तार रोक न्देती है, इसका ताजा उदाहरण माइक्रोसाफ्ट के नए साफ्टवेयर में आई गड़बड़ी है। माइक्रोसाफ्ट के सर्वर में गड़बड़ी आने से दुनिया भर के दफ्तरों में कामकाज लगभग ठप्प हो गया, रफ्तार थम गई। विभिन्न देशों में चौदह सौ से ऊपर हवाई सेवाएं रद्द करनी पड़ी और हजारों हवाई जहाज देरी से उड़ पाए। टेलीविजन प्रसारण, बैंक सेवाओं, शेयर बाजार के कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुए। हालांकि माइक्रोसाफ्ट के इंजीनियर इस गड़बड़ी को सुधारने में जुट गए, मगर इतने भर से दुनिया भर में अरबों रुपए का कारोबार प्रभावित हो गया। दरअसल, माइक्रोसाफ्ट ने एक नया साफ्टवेयर तैयार किया है, जिससे उपभोक्ताओं को तेज, सुविधाजनक और सुरक्षित सेवा देने का दावा किया गया था। यह साफ्टवेयर क्लाउड सेवा से जुड़ा हुआ है। उसमें क्राउड स्ट्राइक नामक साइबर सेंधमारी से सुरक्षा प्रदान करने वाले 'एंटीवायरस' को अद्यतन किया गया, तभी से गड़बड़ी शुरू हो गई। कंप्यूटर अपने आप वंद और चालू होने लगे। इससे माइक्रोसाफ्ट कंपनी की साख पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। हालांकि कुछ महीने पहले एलन मस्क ने भी माइक्रोसाफ्ट के 'एज' नामक नए साफ्टवेयर की व्यावहारिकता पर सवाल उठाया था। उन्होंने एक्स पर लिखा था कि यह साफ्टवेयर अव्यावहारिक है, जो कई कंप्यूटरों से एक साथ जुड़ जाता है और इस तरह इसकी सुरक्षा विश्वसनीय नहीं रह जाती। मगर तव माइक्रोसाफ्ट की तरफ से जवाब में कहा गया था कि यह साफ्टवेयर उपभोक्ता को कहीं भी बैठ कर आसानी से काम करने की सुविधा देता है। इसमें सेंधमारी का खतरा नहीं रहता। अब फिर से इस साफ्टवेयर की विश्वसनीयता संदिग्ध बहो गई है। फिलहाल यह दावा करना मुश्किल है कि किसी साइबर अपराधी ने ऐसी गड़बड़ी पैदा की, पर ऐसी हरकत से इनकार नहीं किया जा सकता। जैसे-जैसे इलेक्ट्रानिक उपकरणों पर लोगों की निर्भरता बढ़ती गई है, वैसे-वैसे इसके खतरे भी बढ़ते गए हैं। साइबर सेंधमार लोगों के बैंक खातों, दफ्तरों के दस्तावेजों, कंपनियों के लेखा-जोखा वगैरह में सेंधमारी करने लगे है। हर इलेक्ट्रानिक उपकरण निर्माता कंपनी साइबर सेंधमारी रोकने के लिए वायरसरीधी उपाय करती है। जो कंपनी इसमें पिछड़ जाती है, वह बाजार में भी पिछड़ जाती है। माइक्रोसाफ्ट ने भी इसी समस्या से बचाने के लिए नई तकनीक ईजाद करने का दावा किया था। हर नई तकनीक में प्रायोगिक स्तर पर कुछ न कुछ अड़चन आती है। मगर जब कोई भरोसेमंद कंपनी अपने किसी उत्पाद को बड़े पैमाने पर बाजार में उतारती है, तो पहले यह सुनिश्चित कर लेती है कि वह पूरी तरह कारगर है। न जाने कैसे माइक्रोसाफ्ट से यह चूक हो गई कि इस साफ्टवेयर को लेकर आ रही शिकायतों को नजरअंदाज करते हुए इसे ब्वाजार में चलाए रखा। माइक्रोसाफ्ट एज नामक तकनीक उपयोगी और सुविधाजनक हो सकती है, मगर पूरी तरह भरोसेमंद बन जाने से पहले उसे बाजार में इतने बड़े पैमाने पर नहीं वितरित किया जाना चाहिए था। जिस एंटीवायरस की वजह से ताजा समस्या आई बताई जा रही है, उसके परीक्षण में भी कहीं न कहीं चूक हुई। इस साफ्टवेयर में गड़बड़ी के चलते सिर्फ कुछ देर में जिस तरह दुनिया भर में करोड़ों लोगों को परेशानियों और व्यावसायिक संगठनों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा, उसकी भरपाई होना मुश्किल है।

सर्पदंश की मार

बरसात के मौसम में जलभराव और उमस भरी गर्मी की वजह से सांप अपने बिल से बाहर निकलकर सुरक्षित ठिकाने ढूंढ़ने लगते हैं और इस कारण सर्पदंश की घटनाएं भी ब बढ़ जाती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, दुनिया भर में हर साल लगभग पैंतालीस से चौवन लाख लोग सर्पदंश का शिकार होते हैं, जिनमें से करीब एक लाख अड़तीस हजार लोगों की मौत हो जाती है। सर्पदंश के अधिकांश मामले अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में सामने आते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में सालाना तीस से चालीस लाख सर्पदंश की घटनाएं होती हैं, जिनमें से करीब पचास हजार लोगों की मौत हो जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक, भारत में पाए जाने वाले सत्तर फीसद सांप या तो जहरीले नहीं होते हैं, या फिर उनका विष मनुष्य के शरीर को गंभीर नुकसान नहीं पहुंचाता है। इसके बावजूद विश्व स्वास्थ्य संगठन का दावा है कि सर्पदंश से वैश्विक स्तर पर हर वर्ष होने वाली मौतों में से करीब चालीस फीसद भारत में होती हैं। जाहिर है कि भारत में सामाजिक और सरकारी स्तर पर जागरूकता का अभाव और व्यवस्थागत खामियां व्याप्त हैं। खासकर ग्रामीण इलाकों में आज भी सर्पदंश से पीड़ित को तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक के लिए ओझा के पास ले जाने की घटनाएं आम हैं। बाद में जब पीड़ित को अस्पताल ले जाया जाता है, तब तक इलाज में देरी हो जाती है। यह भी देखा गया है कि सर्पदंश के बाद पीड़ित व्यक्ति बहुत ज्यादा घबरा जाता है और कई बार हृदयाघात से उसकी मौत हो जाती है। यों आस्ट्रेलिया के सिडनी विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने सर्पदंश के इलाज के लिए एक नई कारगर दवा बनाने का दावा कर दुनिया में एक नई उम्मीद जगाई है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह दवा न केवल मनुष्य के शरीर में सांप के जहर के फैलने की गति को धीमा कर सकती है, बल्कि यह ऊतक एवं कोशिका के क्षय को रोकने में भी सक्षम है। मगर अपने देश के सरकारी अस्पतालों में सर्प विष-रोधी दवा की कमी से संबंधित खबरें अक्सर आती रहती हैं। ऐसी स्थिति में मरीज को समय पर दवा नहीं मिलने से उसकी मौत स्वाभाविक है। सरकार को इस ओर भी ध्यान देने की जरूरत है।

स्कूल की छत का प्लास्टर गिरा, 4 छात्राएं हुई घायल:मच गया हड़कंप, 1 छात्रा को जिला अस्पताल किया गया रेफर

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद. राजसमंद में शनिवार को राजनगर स्थित महात्मा गांधी राजकीय स्कूल इंग्लिश मीडियम की छत का प्लास्टर अचानक नीचे गिर गया। इससे 4 छात्राएं घायल हो गई। अचानक हुए इस हादसे से एकबारगी पूरे स्कूल में हड़कंप मच गया। चारों घायल छात्राओं को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से एक को गंभीर चोट होने पर जिला चिकित्सालय रेफर किया गया।

दरअसल राजनगर स्थित महात्मा गांधी राजकीय स्कूल इंग्लिश मीडियम की छत का प्लास्टर अचानक नीचे गिर गया, जिससे 4 बच्चियों को चोटे आई। हादसे के बाद स्कूल स्टॉफ के भूपेंद्र लढ्ढा, राजेश सिंह खटीक, राजेश खटीक, स्नेहलता जैन, नीतू बड़गूजर ने घायल बच्चियों को अस्पताल पहुंचा। घायल छात्राओं को इलाज के लिए किशोर नगर स्थित हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां 3 बच्चियों को इलाज कर छुट्टी दे दी गई, वही एक बच्ची के गंभीर चोट होने पर उसे जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। जहां पर उसका इलाज कर उसे भी छुटटी दे दी गई।

हॉल में गेम एक्टिविटी के दौरान हुआ हादसा

मुख्य शिक्षा अधिकारी रविन्द्र कुमार तोमर के अनुसार शनिवार होने के कारण दोपहर 12 बजे के करीब बच्चों को हॉल में बैठाकर गेम एक्टिविटी करवाई जा रही थी। इस दौरान अचानक हॉल की छत का प्लास्टर नीचे गिर गया। इससे अक्षिता राठौड़ (13) कक्षा 9, राज नंदिनी (13) कक्षा 9, भाविका सेन (16) कक्षा 11, निकिता सेन (16) कक्षा 11 को चोटें आई है। जिसमें एक बच्ची के ज्यादा चोट आने पर उसका एक्स-रे करवाया, अब उसकी हालत ठीक है।

2 साल पहले ही हॉल की मरम्मत हुई थी

तोमर ने बताया कि 2 साल पहले ही हॉल की मरम्मत हुई थी, उसके बाद अचानक प्लास्टर गिरना चिंता का विषय है, इसकी जांच करवाई जाएंगी। इधर घटना के बाद मुख्य शिक्षा अधिकारी सहित प्रधानाध्यापक कमलेश काहलिया, राजनगर पुलिस सहित अधिकारियों ने मौका मुआयना किया।

जानलेवा हमले के इनामी बदमाश को पुलिस ने कराई परेड:5 हजार का इनाम था, 11 आरोपियों को पहले किया जा चुका गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा.बजरी रॉयल्टी ठेका विवाद में कुछ लोगों पर पिस्टल दिखाकर ठेका छोड़ने और जानलेवा हमला करने के 5 हजार के इनामी बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामला भीलवाड़ा जिले के पुर थाना क्षेत्र का है। डिप्टी श्याम सुंदर बिश्नोई ने बताया कि 27 अक्टूबर 2023 को सांवरमल रेगर ने एक रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि जिंदल एएसटीपी प्लांट का फुटिया चौराहे पर मुहूर्त कार्यक्रम था । उसमें वो अपने पार्टनर के साथ ड्यूटी कर रहा था। उन्होंने चौराहे से पत्थर के डंपर रवाना किए गए थे। जिन्हें समोडी चौराहे पर मनीष जाट, डेविड खटीक, भगवती लाल जाट व उनके साथ स्कॉर्पियो और बोलेरो में सवार अन्य लोग 30 से 50 लोगों ने रोका और मारपीट की।

उसके पार्टनर नरेंद्र चौधरी और सुनील रावत को पिस्टल दिखाकर ठेका छोड़ने के लिए डराते धमकाते हुए सरियों, लाठियों पाइप से जानलेवा हमला कर दिया। इस रिपोर्ट पर पुलिस ने एक मामला दर्ज किया और फरार आरोपी मनीष जाट पर 5000 का इनाम घोषित किया। एसपी राजन दुष्यंत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक टीम का गठन किया। इस टीम ने अपने इंटरनल सोर्सेस, लोकल पुलिसिंग और इनपुट के आधार पर पांच हजार के इनामी बदमाश पांसल निवासी मनीष पिता महादेव जाट को गिरफ्तार कर लिया।

पहले हो चुकी है इनकी गिरफ्तारी

पूर्व में पुलिस इस मामले में धर्मराज उर्फ धर्मा जाट, मिट्ठू लाल जाट, महावीर जाट , विनोद जाट, महावीर जाट, पूरण गुर्जर, गोपाल जाट, कालूराम जाट, नवरत्न उर्फ भेरू जाट, उर्फ डेविड और भगवती जाट को गिरफ्तार कर चुकी है।

ये थे टीम में शामिल

कार्रवाई करने वाली टीम में थाना प्रभारी जय सुल्तान, एएसआई प्रकाश कॉन्स्टेबल जितेंद्र सिंह , राजवीर, भगवान दान व भारत शामिल रहे।

मनरेगा संविदाकर्मियों ने की परमानेंट करने की मांग:पूर्व मंत्री सुशील कटारा से की मुलाकात, सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर.महात्मा गांधी नरेगा योजना में प्लेसमैंट एजेंसी के जरिए संविदा पर काम कर रहे कर्मचारियों ने नियमित पदों की स्क्रीनिंग में शामिल करने की मांग की है। अपनी मांगों को लेकर संविदा कर्मचारियों ने पूर्व मंत्री सुशील कटारा को सीएम के नाम ज्ञापन दिया है। संविदा कर्मचारियों ने बताया कि महात्मा गांधी नरेगा योजना में वे साल 2018 से रोजगार सहायक, डाटा एंट्री ऑपरेटर, सहायक कर्मचारी के रूप में संविदा पर काम कर रहे हैं। वहीं सरकार ने राजस्थान कंट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स 2022 के तहत संविदा कर्मचारियों को शामिल किया है। सरकार की ओर से नियमित पदों पर स्क्रीनिंग की जा रही है, लेकिन लोक विज्ञापन के अभाव में उन्हें शामिल नहीं किया जा रहा है। जबकि पूर्व में तत्कालीन कलेक्टर द्वारा प्लेसमैंट एजेंसी के माध्यम से लोक विज्ञापन जारी करवाकर सभी प्लेसमैंट कर्मचारियों का चयन किया गया है। ऐसे में प्लेसमैंट संविदा कर्मचारियों ने पूर्व में जारी किए लोक विज्ञापन के आधार पर उन्हें नियमित पदों पर की जा रही स्क्रीनिंग में शामिल करने की मांग की है। वहीं इसी मांग को लेकर पूर्व मंत्री सुशील कटारा को सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा है।

बिजली विभाग के परिसर से तीन ट्रांसफार्मर चोरी:कॉपर निकाल ले गए, सीसीटीवी कैमरा भी तोड़ा; कर्मचारियों को भनक भी नहीं लगी

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा घाटोल के विद्युत विभाग कार्यालय में बीती रात विभाग परिसर में पड़े तीन ट्रांसफार्मर चोरी होने का मामला सामने आया। यहां एफआरटी टीम व जीएसएस के कर्मचारियों की लापरवाही इस कदर सामने आई है कि कंट्रोल रूम के सामने पड़े ट्रांसफार्मरों चोर उठाकर सहायक अभियंता कार्यालय के पीछे तक घसीटकर ले गए और वहां ट्रांसफार्मर को तोड़कर अंदर से कॉपर निकाल लिया।

लेकिन कर्मचारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। चोर इतने शातिर थे वारदात को अंजाम देते समय सहायक अभियंता कार्यालय के बाहर लगा सीसीटीवी कैमरा भी तोड़ गए। घटना का पता शनिवार सुबह चला जब सहायक अभियंता कार्यालय के बाहर ट्रांसफार्मर के खाली डिब्बे दिखाई दिए। सूचना पर कनिष्ठ अभियंता हरीश मीणा ऑफिस पहुंचे। उन्होंने घटना की जानकारी ली। घटना को लेकर कनिष्ठ अभियंता ने घाटोल थाना पुलिस को रिपोर्ट सौंपी। इसमें बताया की 16 केवी के तीन खराब ट्रांसफार्मर चबूतरे से निकाल कर सहायक अभियंता कार्यालय के पीछे ले जाकर तोड़ फोड़ कर अंदर से कॉपर निकाल लिया। प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

वडोदरा में स्कूल की दीवार गिरी, 4 बच्चे घायलं

24 न्यूज अपडेट

वडोदरा. गुजरात में वडोदरा के श्री नारायण स्कूल में दूसरी मंजिल पर कमरे की एक दीवार गिरने से 4 बच्चे घायल हो गए। इस घटना का CCTV फुटेज सामने आया है। इसमें 4 बच्चे बेंच सहित 10 फीट नीचे गिरते नजर आए। एक छात्र को सिर पर चोट आई है। तीन को हल्की चोटें हैं।

यह घटना शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 बजे की है। इसके बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस को बुलाया गया। पुलिस ने बताया कि दीवार के ठीक पीछे एक शेड था। बच्चे पहले शेड पर गिरे। उसके बाद नीचे जमीन पर आए। इस कारण उन्हें गंभीर चोटें नहीं आईं। दीवार गिरने के कारण का पता लगाया जा रहा है।

उधर, वडोदरा पेरेंट्स एसोसिएशन ने आज शनिवार को स्कूल संचालक के खिलाफ प्रदर्शन करने का फैसला लिया है। मामले को लेकर केस दर्ज भी कराया जा सकता है।

पुलिस ने बच्चों के बयान दर्ज किए

पुलिस ने घायल बच्चों, उनके परिजनों और स्कूल प्रबंधन का बयान दर्ज किया है। घटना के बाद से अभी तक शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की तरफ से कोई बयान दिया गया है। स्थानीय लोगों ने कहा था कि पुरानी इमारत होने की वजह से यह हादसा हुआ। हालांकि, स्कूल प्रशासन का कहना है कि उनके पास सभी जरूरी दस्तावेज है।

स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट 1 माह पहले ही मिला था इस स्कूल में 1200 से ज्यादा छात्र पढ़ते हैं। शुक्रवार को दीवार गिरने के बाद स्कूल की छुट्टी कर दी गई थी। स्कूल को स्ट्रक्चर स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट एक माह पहले ही दे दिया गया था। दीवार गिरने के कारण का अभी पता नहीं लगा है। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है।

प्रिंसिपल बोलीं- ऐसा होगा हमें अंदाजा नहीं था स्कूल की प्रिंसिपल रूपलबेन शाह ने बताया कि हमें एकदम से बहुत तेज आवाज आई। इसके बाद हम दीवार गिरने वाली जगह पहुंचे तो पता चला कि 4 बच्चे घायल हैं। एक बच्चे को सिर पर टांकें लगे हैं। मलबे में बच्चों की साइकिलें दब गईं। हमें अंदाजा नहीं था कि ऐसी घटना होगी।

महाराणा प्रताप स्मारक समिति ने किया सांसद का स्वागत

24 न्यूज अपडेट

महाराणा प्रताप स्मारक समिति चावंड के संरक्षक पदाधिकारी एवं आजीवन सदस्यों द्वारा नव निर्वाचित सांसद उदयपुर मन्नालाल रावत का स्वागत अभिनंदन किया गया

इस अवसर पर महाराणा प्रताप स्मारक समिति चावंड के अध्यक्ष भगवती प्रसाद आमेटा ने महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि 8 फरवरी 2025 माघ शुक्ल एकादशी के दिन माननीय प्रधानमंत्री को आमंत्रित करने का पत्र सौंपा और मांग की महाराणा प्रताप के निर्वाण स्थली चावंड को पर्यटकिय दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बनाने हेतु स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की तरह स्टैचू ऑफ स्वतंत्रता और स्वाभिमान का प्रतीक महाराणा प्रताप बनाया जाए

इस पर सांसद महोदय ने समिति के पदाधिकारीयो को 1000 करोड़ का प्रोजेक्ट बनाकर प्रस्तुत करने को कहा। इस दौरान संरक्षक भंवरलालमुंडलिया,राजनीतिक प्रकोष्ठ प्रभारी ईश्वर टेलर, कोषाध्यक्ष ख्याली जैन, प्रचार प्रसार मंत्री भानु प्रताप सिंह कृष्णावत संयोजक कुलदीप मोड़,आजीवन सदस्य हेमंत जोशी मौजूद थे

जयपुर में घर में घुसकर बिजनेसमैन की पत्नी की हत्या:सीसीटीवी फुटेज से पुलिस को कुछ बदमाशों की जानकारी मिली, FSL टीम मौके पर

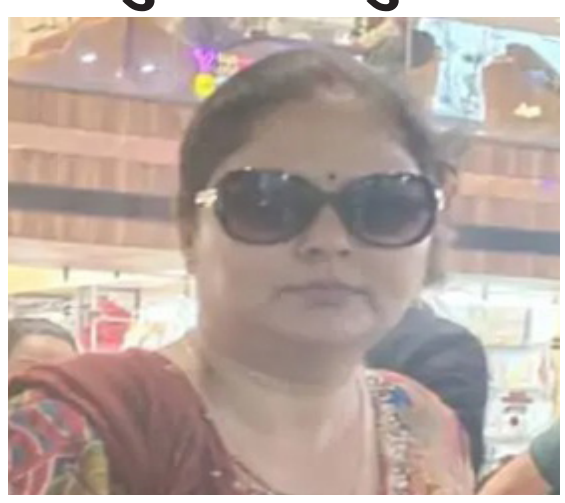

24 न्यूज अपडेट

जयपुर. जयपुर में बदमाशों ने घर में घुसकर बिजनेसमैन की पत्नी की हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को सवाई मानसिंह (SMS) अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मामला खोह नागोरियान थाना इलाके का है।

डीसीपी ईस्ट कावेन्द्र सागर ने बताया- गोनेर रोड राधा कृष्ण मंदिर के सामने गौरव वाटिका में रहने वाले सतीश चंद्र शर्मा की पत्नी मंजू शर्मा की हत्या की गई है। आज दोपहर करीब 1.30 बजे कुछ बदमाश घर में घुसे उनकी हत्या कर दी। सतीश चंद्र शर्मा प्रॉपर्टी डीलर और स्टाम्प विक्रेता हैं। मौके पर एफएसएल की टीम को बुलाकर सबूत जुटाए जा रहे हैं।

सीसीटीवी फुटेज से कुछ बदमाशों की जानकारी मिली

पुलिस को आसपास लगे हुए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से कुछ बदमाशों की जानकारी मिली है। इस पर पुलिस टीम काम कर रही है। कॉलोनी के लोगों ने बताया- दोपहर 12 बजे मंजू शर्मा को घर के अंदर ही देखा गया था। इस दौरान कौन घर में घुसा, इसकी कोई जानकारी नहीं है

महिला से अफेयर में युवक को किडनैप कर मार डाला:गर्लफ्रेंड के घर वाले दे रहे थे धमकियां; सरकारी स्कूल में पेड़ से लटका मिला शव

24 न्यूज अपडेट

बिजौलिया (भीलवाड़ा). शादीशुदा महिला से अफेयर के चक्कर में युवक की हत्या कर दी गई। युवक के पिता ने आरोप लगाया है कि महिला के घर वालों ने बेटे का किडनैप कर लिया। उसके साथ जमकर मारपीट की। इसके बाद उसकी हत्या कर दी। उसका शव सरकारी स्कूल कैंपस में लगे पेड़ पर लटका मिला है। मामला भीलवाड़ा के बिजौलिया इलाके का है। उधर, युवक के परिवार वाले धरने पर बैठ गए। आरोपियों की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग कर रहे थे। चाचा ने कहा- शर्ट फाड़कर फंदा बनाकर लटकाया कास्या गांव के रहने वाले विजयपाल ने बताया- मेरा भतीजा अभिषेक बंजारा (18) गांव (कास्या) में ही रहता था। वह नजदीकी खदान में मजदूरी करता था। कभी-कभी टैक्सी चलाता था। उसके पिता बहादुर बंजारा भी खदान मजदूर हैं। अभिषेक की दो साल पहले शादी हो चुकी थी। बावजूद इसके अभिषेक का गांव की ही एक महिला से प्रेम प्रसंग (अफेयर) चल रहा था। पिता के सामने जमकर पीटा शुक्रवार शाम 6 बजे महिला के परिवार वाले अभिषेक के घर पहुंचे। बहादुर के सामने ही उसके बेटे अभिषेक को बुरी तरह पीटा। इसके बाद उसे किडनैप कर ले गए। बहादुर ने बीच-बचाव कर बेटे को छुड़ाने का प्रयास किया, पर असफल रहे। इसके बाद बहादुर ने अन्य ग्रामीणों की मदद से बेटे की तलाश शुरू की। शर्ट का फंदा बनाकर लटका दिया एक घंटे तक सभी लोग अभिषेक को तलाशते रहे। शुक्रवार शाम 7 बजे के करीब कास्या गांव के सरकारी स्कूल में अभिषेक एक पेड़ पर फंदे से लटका मिला। आरोपियों ने अभिषेक की शर्ट का फंदा बनाकर उसे लटका दिया था। उसके शरीर पर चोट के निशान थे। परिवार वालों ने उसे फंदे से उतारा और बिजौलिया हॉस्पिटल ले गए। वहां डॉक्टरों ने अभिषेक को मृत घोषित कर दिया। बॉयफ्रेंड के साथ सेल्फी लेकर ससुराल वालों को भेजा विजयपाल ने बताया- 2 महीने पहले ही प्रेमिका ने अभिषेक के साथ खुद की सेल्फी अपने ससुराल भेज दी थी। इसके बाद

ससुराल वालों ने रिश्ता तोड़ लिया था। इस घटना के बाद समाज की बैठक हुई थी। इसमें दोनों पक्षों (लड़की पक्ष-अभिषेक पक्ष) में राजीनामा हो गया था। महिला के पक्ष वाले अभिषेक को मारने की धमकियां देने लगे थे। कास्या चौकी में इसको लेकर शिकायत भी दी गई थी। परंतु पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। बंजारा परंपरा के मुताबिक, शादी के 2 साल बाद तक न बेटी को ससुराल भेजा जाता और और न बहू को घर लाया जाता है। ऐसे में अभिषेक की पत्नी घर नहीं आई थी। प्रेमिका अपने ससुराल नहीं गई थी। इसी बीच दोनों में अफेयर शुरू हो गया। मुआवजे की मांग, गिरफ्तारी को लेकर 6 घंटे धरना-प्रदर्शन अभिषेक के शव को बिजौलिया हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया। रात से ही परिजन और रिश्तेदार हॉस्पिटल के बाहर इकट्ठे होने लगे। शनिवार सुबह 6 बजे सभी वहीं आरोपियों की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। इस दौरान कास्या चौकी प्रभारी पर कार्रवाई कर सस्पेंड करने की भी मांग की गई। परिजनों ने कहा कि अभिषेक को लगातार धमकियां दी जा रही थीं। चौकी पर जाते तो वहां से डांटकर भगा दिया जाता था।

शिक्षक भर्ती परीक्षा में फर्जी डिग्री का शक:एक लाख टीचर के डॉक्यूमेंट का होगा वैरिफिकेशन, साइन से पता लगाएंगे खुद ने परीक्षा दी या दूसरे ने

24 न्यूज अपडेट

बीकानेर. भाजपा सरकार के आदेश के बाद शिक्षा विभाग में खलबली शुरू हो गई है। अब कांग्रेस राज में नियुक्ति पाने वाले करीब एक लाख टीचर्स के रिकॉर्ड की दोबारा जांच हो रही है। डिग्री की सत्यता जांचने जांच दल संबंधित विश्वविद्यालयों में भी जाएगा। इसके अलावा एग्जाम सेंटर पर किए गए हस्ताक्षर की भी चैकिंग होगी।

ये जांच ग्रेड थर्ड से प्रिंसिपल स्तर तक नियुक्ति पाने वाले टीचर्स की हो रही है। सभी की डिग्री, मार्कशीट और अन्य कागजात की चैकिंग शुरू हो गई है। ग्रेड थर्ड और सेकेंड के टीचर्स के रिकार्ड की जांच जिला शिक्षा अधिकारी और उप निदेशक स्तर पर की जा रही है। वहीं लेक्चरर और हेड मास्टर स्तर के कैंडिडेट का रिकॉर्ड शिक्षा निदेशालय जांच रहा है। हाल में SOG ने फर्जी डिग्री देने वाले दो यूनिवर्सिटी संचालकों को भी गिरफ्तार किया था।

टीचर्स के डॉक्यूमेंट का फिर से होगा वैरिफिकेशन

माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने कहा कि कार्मिक विभाग के आदेश पर पिछले पांच साल में हुई नियुक्तियों के डॉक्यूमेंट का फिर से वैरिफिकेशन किया जा रहा है। खासकर जिनकी नियुक्तियों में गड़बड़ी के आरोप लग रहे हैं। जिसमें पीटीआई भर्ती सहित कुछ अन्य भर्तियां शामिल है।

दोनों निदेशालय कर रहे हैं जांच

प्रारम्भिक और माध्यमिक दोनों ही शिक्षा निदेशालय फर्जी तरीके से लगे टीचर्स का पता लगा रहे हैं। ग्रेड थर्ड टीचर्स की भर्ती प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय के माध्यम से हुई थी। वहीं ग्रेड सेकेंड व इससे ऊपर के टीचर्स की भर्ती माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने की। ऐसे में दोनों निदेशालय इस पर काम कर रहे हैं।

ऐसे होगी नियुक्ति की जांच

साल 2019 से 2024 तक नियुक्ति पाने वाले सभी टीचर्स के फॉर्म वापस निकाले जा रहे हैं। आवेदन में लगे सभी तरह के कागजों की नए सिरे से जांच की जाएगी। ये पता लगाया जाएगा कि रिकॉर्ड में लगी डिग्री सही है या नहीं? इसके लिए संबंधित यूनिवर्सिटी को पत्र लिखा जाएगा और पुष्टि की जाएगी।

जरूरत पड़ने पर निदेशालय से एक टीम उस यूनिवर्सिटी में जाएगी, जिसकी डिग्री रिकॉर्ड में लगाई गई है। इसके साथ ही बीएड और डीपीएड करने वाले टीचर्स की डिग्री भी संबंधित विभाग को भेजी जाएगी। डीएलएड करने वाले टीचर्स का रिकॉर्ड पहले से शिक्षा निदेशालय के पास है। इनसे मिलान किया जाएगा।

एग्जाम सेंटर से हस्ताक्षर की होगी जांच

राज्य सरकार ने आदेश दिया है कि भर्ती परीक्षा में संबंधित कैंडिडेट बैठा या नहीं? कहीं कोई डमी कैंडिडेट तो एग्जाम देकर नहीं चला गया, इसकी भी जांच की जाए। इसके लिए एग्जाम सेंटर पर किए गए हस्ताक्षर की जांच होगी। कैंडिडेट के हस्ताक्षर में अंतर होगा तो आगे कार्रवाई की जाएगी। वहीं सीसीटीवी कैमरे से जांच संभव नहीं है। इतने लंबे समय तक रिकार्ड उपलब्ध नहीं रहता।

सुखेर पुलिस का धमाका : नेपाली गैंग की डकैती की घटना का खुलासा

अंतर्राष्ट्रीय गैंग का पर्दाफाश, मुख्य साजिशकर्ता मास्टरमाईण्ड सहित तीन अभियुक्त गिरफ्तार, मुख्य अपराधी वीरबहादुर उर्फ बलबहादुर मेरठ में 7 करोड की लूट का मुख्य आरोपी, अभी 5 लाख रूपये का ईनामी बदमाश

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। सुखेर पुलिस ने आज बड़ा धमाका कर दिया है। नेपाली गैंग की ओर से नौकरानी के माध्यम से की गई डकैती की घटना का खुलासा, करते हुए अंतर्राष्ट्रीय गैंग का पर्दाफाश किया है। मुख्य साजिशकर्ता मास्टरमाईण्ड सहित तीन अभियुक्त गिरफ्तार किए हैं। मुख्य अपराधी वीरबहादुर उर्फ बलबहादुर मेरठ में 7 करोड की लूट का मुख्य आरोपी है। अभी 5 लाख रूपये का ईनामी बदमाश है। घटना में प्रयुक्त वाहन एर्टिगा कार जब्त, पीडितों को बेहोश करने के लिये दी जाने वाली दवाई जब्त, अभियुक्ता नौकरानी सहित 6 व्यक्तियों की नेपाल में तलाश जारी है। बातया गया कि दिनांक 9. जुलाई को श्रीमती शिल्पा गांधी निवासी मॉडर्न कॉम्पलेक्स, भुवाणा पुलिस थाना सुखेर, उदयपुर ने रिपोर्ट पेश की कि उनके पति संजीव गांधी बेटी नियोनिका व बेटे शोर्य सहित उपरोक्त दिये गये पते पर निवास करती हूं। पति व्यापार करते हैं तथा बेटा, बेटी पढाई करते है। मकान पर जाकिर खान निवासी निम्बाहेडा बतौर गार्ड पिछले सात वर्ष से नौकरी करता है जो 2 जुलाई को छुटटी पर थ। घर पर साफ सफाई एवं खाना बनाने केलिए नौकरानी की आवश्यकता होने पर मौहल्ले में निवासरत डा. स्वाति से सम्पर्क किया। डॉ. स्वाति ने मुझे संजोक जो कि एस. के. एजेन्सी दार्जिलिंग में संचालित करता है के मोबाईल नम्बर 7431891870 उपलब्ध करवाया। मैने संजोक नामक व्यक्ति से सम्पर्क किया। संजोक ने मुझे संजय नामक व्यक्ति के मोबाईल नम्बर 8368304397 उपलब्ध करवाये। उक्त दोनों से वार्ता की जाकर संजोक ने 13 जून को करिश्मा निवासी नेपाल को मेरे घर पर कार्य करने हेतु भेजा। करिश्मा नामक महिला जिसकी उम्र करीबन 22-24 वर्ष थी, उसे एक व्यक्ति मेरे घर पर छोडने आया। उक्त महिला 13 जून से नौकरानी के रुप में कार्य करने लगी। महिला करिश्मा का नेपाली आईडी कार्ड की फोटो कॉपी भी ले ली थी। करिश्मा कोघर पर ही बने सर्वेंट क्वार्टर में रहने के लिए व्यवस्था कर दी थी। जो उसी दिनांक से वही पर रह रही थी। 8 जुलाई को उन्होंने व करिशमा ने रात्रि का खाना मिलकर बनाया था तथा पति व बेटे-बेटी ने करीबन 9. 30 पीएम पर खाना खाया। खाना खाने के करीबन एक घण्टे के बाद उन्हें व परिवार के अन्य सदस्यों को बेहोशी छाने लगी व सभी बेहोश हो गए। उन्हें अर्धमुर्छा में घर पर होने वाली गतिविधि महसूस हो रही थी। कुछ समय बाद करिशमा ने घर का दरवाजा खोलकर 4 व्यक्तियो को अंदर प्रवेश करवाया। उक्त करिशमा व उसके साथियो ने घर में तलाशी लेना शुरु कर दिया जो कि उन्हें महसुस हो रहा था। उसके साथियो ने मेरी बेटी नियोनिका को रस्सी से बांध दिया व बदमाशों ने बेटी के साथ छेडछाड की क्योंकि बेटी बेहोश थी इसलिए विरोध नहीं कर सकी में अर्धबेहोशी के स्थिति में होने के कारण विरोध अथवा चिल्ला नहीं सकी। कुछ समय पश्चात वह भी पूर्ण रूप से बेहोश हो गई। बदमाशो ने क्या किया जानकारी नहीं है। सुबह हॉस्पीटल जिसने पहुंचाया मुझे व मेरे परिवार वालो को कोई होश नहीं था। करिशमा व 4 साथियों ने उन्हें व परिवार को खाने में बेहोशी की जहरीली वस्तु मिलाकर हमे बेहोश कर हत्या करने की नियत सेघर में डकेती की। घर से उक्त लोग क्या-क्या सामान लेकर गये इसकी जानकारी में घर पर देखकर ही बता सकती हूँ। उक्त बदमाशों ने हमें मारने की नियत से खाने में जहर मिलाया व घर में लूट की घटना की तथा बेटी के साथ ज्यादती की। प्रकरण की गम्भीरतो को देखते हुएयोगेश गोयल, जिला पुलिस अधीक्षक, उदयपुर ने मामले के त्वरित अनुसंधान व घटना में लिप्त अज्ञात बदमाशों का पता लगाने के निर्देश प्रदान किये। निर्देशों की पालना में उमेश ओझा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उदयपुर, श्री कैलाशचन्द्र खटीक वृताधिकारी वृत नगर पश्चिम जिला उदयपुर के सुपरविजन मे हिमाशुसिंह राजावत पु.नि. थानाधिकारी थाना सुखेर के निर्देशन में थाने की टीम गठित की गई। पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। पुलिस को पीडित परिवार के मकान पर नेपाली नौकरानी द्वारा अपने साथियों के बुलाकर घटना करने के कारण आस पास के नेपाल के लोग जो चौकीदारी तथा घरेलू काम करते है, उनसे अनुसंधान कर पता लगाने का प्रयास किया गया। जिस प्लेसमेन्ट एजेन्सी द्वारा उक्त महिला को नौकरी पर लगाया था उसी के द्वारा नौकरी पर लगाये गये अन्य नेपाली व्यक्तियों से पूछताछ की गई। पुलिस द्वारा तकनीकी संसाधनों का उपयोग करते हुए करिश्मा के पास मौजूद मोबाईल के बारे में जानकारी ली तो ज्ञात आया कि उक्त मोबाईल नम्बर मुम्बई का है। जिस पर एक टीम धनपत सिंह उप निरीक्षक के नेतृत्व में मुम्बई रवाना की गई। पुलिस द्वारा थानाधिकारी के नेतृत्व में टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज चैक किये गये। घटनास्थल से उदयपुर से बाहर जाने वाले सभी रास्तों में जिस पर घटनास्थल से गोमती चौराहा, घटनास्थल से पिण्डवाडा तथा घटनास्थल से मंगलवाड तक विभिन्न होटलों / टोल नाकों के 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरा चैक किये गये। सीसीटीवी कैमरे चैक करके पुलिस टीम द्वारा घटना में प्रयुक्त वाहन को चिन्हित किया गया। अभियुक्तगणों द्वारा घटनास्थल से पैदल निकलने तथा आगे सेलिब्रेशन मॉल के सामने से एक कार में बैठना पाया गया। उक्त कार एर्टिगा की जानकारी प्राप्त होने पर ज्ञात आया कि उक्त वाहन प्रयासगराज उत्तरप्रदेश निवासी पंकज मिश्रा के नाम पर है। इसी दौरान मुम्बई गई टीम द्वारा जांच की गई तो सामने आया कि उक्त संदिग्ध मोबाईल जो करिश्मा द्वारा उपयोग में लाया गया वह मुम्बई से चोरी हुआ है। तत्पश्चात उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार धनपत सिंह उप निरीक्षक के नेतृत्व में टीम को प्रयागराज भेजा गया। अभियुक्त करिश्मा के सम्पर्क दिल्ली में होना सामने आने पर एक टीम कर्मवीर सिंह उप निरीक्षक के नेतृत्व में दिल्ली भेजी गई। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री योगेश गोयल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश ओझा तथा पुलिस उप अधीक्षक कैलाश चन्द्र खटीक द्वारा टीमों की मोनिटरिंग कर दिशा निर्देश दिये गये। तकनीकी संसाधनों तथा आसूचना संकलन से सामने आया कि घटना का मुख्य षडयन्त्रकर्ता वर्तमान में गुरूग्राम में है तथा अन्य घटना करने की फिराक में है। इस सूचना पर हिमांशु सिंह थानाधिकारी के नेतृत्व में एक अन्य टीम गुरुग्राम पहुंची। टीम द्वारा अभियुक्त की तलाश हेतु छापामारी / दबिश दी गई परन्तु अभियुक्त बेहद शतिर व बदमाश होने से कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई। फिर टीम द्वारा गुरुग्राम सेक्टर 31 पर ईफको चौक पर घेराबन्दी कर मुख्य साजिशकर्ता अभियुक्त वीर बहादुर उर्फ बल बहादुर धामी पिता नर बहादुर धामी उम्र 38 साल निवासी केसीग-4, थाना होयल, जिला डोटी नेपाल को पकड़ा तथा उसके बाद उसकी निशानदेही से अन्य अभियुक्त हिरासिंह पिता लाल बहादूर कामी उम्र 34 साल निवासी कोसिंग-3, थाना होयल जिला डोटी नेपाल को दुर्गा टॉकीज के पास, नोएडा में पकड कर पूछताछ की तो सामने आया कि उक्त दोनों ने ही वारदात करने का प्लान बनाया। नेपाल से जिस महिला को बुलाया उसका असली नाम करिश्मा की बजाय लक्ष्मी होना बताया। अभियुक्त वीर बहादर तथा हीरा सिंह से अनुसंधान पर सामने आया कि उक्त दोनों ने प्लान कर प्लेसमेन्ट एजेन्सी संचालक संजोक नाम के व्यक्ति से मिलकर लक्ष्मी उर्फ करिश्मा को संजय गांधी के यहां पर काम पर लगाया। उसके बाद नेपाल से अपने साथी दिनेश, मिथुन, कांचा उर्फ सुरेन्द्र, सन्नी, शिवा, राहुल को बुलाया और घटना करने के लिये भेजा। उक्त सभी अभियुक्तगण को भेजने के लिये अपने पूर्व परिचित अफजल को कार एर्टिगा लेकर बुलाया तथा उक्त डकैती की वारदात करवा कर सभी 6 अभियुक्तगणों को बनवासा बॉर्डर पर छोड दिया जहां से वे नेपाल चले गये।

नौकरानी करिश्मा उर्फ लक्ष्मी नेपाल की छंटी हुई बदमाश है तथा जूडो कराटे में ब्लैक बैल्ट है

24 न्यूज अपडेट

नेपाल बॉर्डर के आस पास उक्त बदमाशों के होने की सम्भावना पर एक टीम को धनपत सिंह उप निरीक्षक के नेतृत्व में नेपाल बॉर्डर पर रवाना किया गया। उक्त टीम द्वारा नेपाल जाकर तलाश करने का प्रयास किया परन्तु अभियुक्तगण सभी अपने घरों से गायब है। टीम द्वारा मौके पर वाहन चालक अफजल पिता अयूब खाना पठान उम्र 29 साल निवासी टाईप-2, वरूण कॉम्पलेक्स कोडली, थाना अशोक नगर, ईस्ट दिल्ली का पता लगाकर उसको पकड़ा तथा, पूछताछ की तो सामने आया कि अभियुक्त चीर बादर, हीरा सिंह तथा दिनेश ने लालच देकर मुझे कहा कि तुमको भी लूटे, गये माल में से हिस्सा देंगे जिस पर मैं उनके साथ डकैती करने चला गया था। तीनों अभियुक्तगणों वीर बहादुर, हीरा सिंह तथा अफजल को उदयपुर लेकर आये तथा बंद पूछताछ गिरफ्तार किया गया है। उक्त बदमाशों से पूरे देश में की गई और भी कई वारदातों का खुलासा होने की सम्भावना है। गिरफ्तार शतिर अभियुक्त वीर बहादुर पूर्व में मेरठ (उत्तर प्रदेश) में की गई 7 करोड़ रुपये की डकैती का मुख्य वांछित अपराधी है जिसकी गिरफ्तारी पर 5 लाख रूपये का ईनामी है। उक्त घटना होने के बाद उत्तरप्रदेश पुलिस द्वारा नेपाल पहुंच कर उक्त बदमाश का पता लगाया तथा पूछताछ भी की गई परन्तु नेपाल से मुलजिम लाने की संधि नहीं होने से नियमों के कारण अभियुक्त को नहीं ला पाये। उक्त अभियुक्त को उदयपुर पुलिस की टीम द्वारा गुरूग्राम से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त वीर बहादुर के कब्जे से बेहोशी के लिये दी जाने वाली दवाई भी जब्त की गई है। इसी नेपाली गैंग द्वारा निजामुद्दीन में एक डॉक्टर के घर डकैती करते समय हत्या की थी जिसका प्रकरण अनुसंधानाधीन है। दिल्ली, हरियाणा तथा उत्तरप्रदेश पुलिस को अभियुक्तगणों के आगमी प्लान के बारे में जानकारी दी।

ऐसे की वारदात

उक्त बदमाशों द्वारा घर में घरेलू नौकर की जरूयत वाले घरों में नेपाल से बुलाकर कोई लडकी/व्यक्ति नौकर के रूप में रख देते। कुछ दिनों तक काम करने के बाद अगर घर में नकद /सोना चांदी के जेवरात रखने की जगह देख लेते तथा किसी दिन घरवालों को खाने बेहोशी की दवा मिलाकर दे देते जिस पर घर वाले बेहोश हो जाते तथा अभियुक्त वारदात कर फरार हो जाते तथा नेपाल जाकर छिप जाते। कुछ दिनों बाद वापस भारत आकर अन्य घर को निशाना बनाकर चोरी करते। किसी मकान पर अधिक धनराशि / जेवर होने की सम्भावना नहीं होने पर उस घर को किसी बहाने से छोड़ देते तथा अन्य शिकार की तलाश में निकल जाते। अभियुक्तगण द्वारा मेरठ में 7 करोड़ की डकैती की। उसके अतिरिक्त दिल्ली/ गुरुग्राम / मुम्बईके जुहू क्षेत्र में वारदातें करना स्वीकार किया है। अभियुक्तगणों द्वारा वर्तमान में हरियाणा तथा दिल्ली में अन्य स्थानों पर लोगों के घरों पर चोरी करने के लिये नौकर लगा रखे है जहां मौका मिलते ही चोरी करने वाले थे। उक्त स्थानों के सम्बन्ध में सम्बन्धित राज्य की पुलिस को सूचित कर दिया गया है। अभियुक्त संगठित गिरोह बनाकर तीन स्तर पर अलग- अलग टीमें बनाकर अपराध करते है। पहली टीम प्लेसमेन्ट एजेन्सी बनाकर लडके / लडकी को नौकरी पर रखते है, ट्रेनिंग देते है तथा चोरी किये गये मोबाईल फोन का ईस्तेमाल कर पूरी घटना करवाते है। भेजे गये लड़के / लडकी से हर दो - तीन दिन में घर वालों के बारे में जानकारी प्राप्त करते है तथा उक्त घर की स्थिति, नशा, पार्टी करने आदि के बारे में जानकारी प्राप्त करते है। उक्त घर पर कितना नकद / जेवरात आदि उपलब्ध है, इस बारे में पता करते है। सही समय देखकर नेपाल से एक टीम बुलाकर ईवर के साथ मौके पर भेजकर डकैती करवा देते है तथा पहचान छुपाकर नेपाल बॉर्डर क्रॉस करवा देते है। उक्त सभी बदमाश पश्चिम नेपाल के दो तीन जिले में फैले हुए है। उक्त लोग गैंग बनाकर भारत में आते है। उक्त गैंग के विरूद्ध भारत के विभिन्न राज्यों में दर्जनों केस लम्बित है। उक्त बदमाश इतने दुस्साहसी है कि एक अपराध के बाद लगातार दूसरे अपराध की तैयारी कर लेते है तथा ये सभी लोग नेपाल के धनगढी, डोटी, महेन्द्रनगर जिलों में निवास करते है। वांछित नौकरानी करिश्मा उर्फ लक्ष्मी नेपाल की छंटी हुई बदमाश है तथा जूडो कराटे में ब्लैक बैल्ट है, एक पुरूष की तरह ही मजबूती से अपराध करने में सक्षम है।

पुलिस टीम में हिमाशुसिंह राजावत पुलिस निरीक्षक, धनपत सिंह उप निरीक्षक, कर्मवीर सिंह उप निरीक्षक, रेणु खोईवाल उप निरीक्षक, सरदार सिंह सउनि, सुनील बिशनोई हैड कानि. जगदीश मेनारिया हैड कानि. मनमोहन हैड कानि. अचलाराम कानि. भंवरलाल कानि. धनराज कानि. भारतसिंह कानि. उमेश कानि. श्रवण बिशनोई कानि. हिमांशु कानि. प्रतापसिंह कानि. सुमेर कानि, रामकुमार कानि. ओमप्रकाश कानि. साईबर टीम में फैलीराम उप निरीक्षक गजराज सिंह सउनि लोकेश रायकवाल कानि. शामिल है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।